हरिभूमि

शौर्य भूमि

5

जबलपुर, सोमवार 27 अप्रैल 2026

login : www.haribhoomi.com

मंडला | अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

4 दिन में बाघ के 3 शावकों की मौत

शव को फोरेंसिक जांच के लिए जबलपुर भेजा, अमाही बाघिन का सिर्फ एक शावक बचा

मंडला-कान्हा टाइगर रिजर्व में बाघों की मौत का सिलसिला जारी है। अमाही बाघिन (टी-141) के तीसरे शावक की भी मौत हो गई है। शनिवार शाम को मादा शावक का शव सरही जोन में मिला, जिसे पोस्टमार्टम के लिए जबलपुर भेजा गया है। यह इस महीने रिजर्व में बाघों से जुड़ी चौथी घटना है।

ये तीनों शावक मशहूर बाघिन अमाही (टी-141) के थे और इनकी उम्र करीब 12 महीने थी। इस घटना के बाद पार्क की सुरक्षा और निगरानी व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में एक चौंकाने वाली बात सामने आई है कि दो शावकों के पेट पूरी तरह खाली थे। इससे अंदेशा जताया जा रहा है कि उनकी मौत भूख की वजह से हुई है।

पहला शावक 21 अप्रैल को अमाही नाला के पास मिला था, जबकि दूसरा 24 अप्रैल को ईंटावारे नाला में मिला। पानी में होने की वजह से दूसरे शावक का शव काफी गल चुका था। वहीं शनिवार रात को तीसरे शावक का शव मिला है।

वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, शावक के शव का पोस्टमार्टम आज रविवार सुबह किया जाएगा। बारीकी से जांच के लिए शव को जबलपुर स्थित स्कूल ऑफ वाइल्डलाइफ फॉरेंसिक एंड हेल्थ (SWFH) भेजा गया है। वहां मौत के वास्तविक कारणों की विस्तृत जांच की जाएगी।

बाघिन के दो नर शावकों की पहले हो चुकी मौत

इससे पहले, अमाही बाघिन के दो नर शावकों की मौत 21 अप्रैल और 24 अप्रैल को हो चुकी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में उनकी मौत का कारण भूख बताया गया था। अमाही बाघिन के कुल चार शावक थे, जिनमें से अब तक तीन की जान जा चुकी है।

मां पर निर्भर थे शावक

विशेषज्ञों का कहना है कि एक साल की उम्र के शावक खुद शिकार नहीं कर पाते और भोजन के लिए अपनी मां पर ही निर्भर रहते हैं। ऐसे में यह सवाल बड़ा हो गया है कि बाघिन शिकार क्यों नहीं कर पा रही थी।

बताया जा रहा है कि बाघिन खुद भी काफी कमजोर हो गई है, जिसे अब प्रबंधन की ओर से अलग से खाना (फीड) दिया जा रहा है।

बाघिन कमजोर, शावक की हालत पर चिंता बढ़ी

बाघिन की स्थिति भी कमजोर बताई जा रही है, जिससे उसके और बचे हुए एक शावक की हालत को लेकर चिंता बढ़ गई है।

उप संचालक (कोर) प्रकाश कुमार वर्मा ने बताया कि लगातार हो रही मौतों के कारणों की गहराई से जांच के लिए शव को एसडब्ल्यूएफएच भेजा जा रहा है और सभी निर्धारित प्रोटोकॉल पूरे किए जा रहे हैं।

कान्हा टाइगर रिजर्व में एक महीने में चौथी मौत

गौरतलब है कि कान्हा टाइगर रिजर्व में इस महीने यह चौथी बाघ की मौत है। इससे पहले 5 अप्रैल को मादा बाघ टी-122 और 21 व 24 अप्रैल को टी 141 के दो शावकों की मौत हुई थी। 24 अप्रैल को ही पार्क से सटे बालाघाट जिले के बैहर वन परिक्षेत्र में भी एक बाघ का शव मिला था, जिससे पूरे क्षेत्र में वन्यजीव संरक्षण को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं।

आठ महीनों में 10 बाघों की मौत

कान्हा में बाघों की मौत के आंकड़े डराने वाले हैं। अकेले अप्रैल महीने में ही अब तक 4 बाघों की जान जा चुकी है। वहीं, पिछले 8 महीनों का रिकॉर्ड देखें तो रिजर्व में 10 बाघ और 5 तेंदुओं की मौत हो चुकी है।

कान्हा के उप संचालक प्रकाश कुमार वर्मा का कहना है कि अब बाकी बचे एक शावकों और बाघिन पर डॉक्टरों की मदद से लगातार नजर रखी जा रही है। फिलहाल विसरा रिपोर्ट का इंतजार है, जिससे मौत की असली वजह साफ हो सकेगी।

मंडला में MPPSC परीक्षा के लिए बनाए गए 5 सेंटर

2190 अभ्यर्थी शामिल- थ्री-लेयर सिक्योरिटी से जांच

मंडला -जिले में रविवार सुबह राज्य सेवा एवं राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा शुरू हो गई है। इस परीक्षा में 2190 परीक्षार्थी शामिल हो रहे हैं, जिनके लिए जिले में कुल पांच परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। इन केंद्रों में आरडी कॉलेज, रानी अवंती बाई हायर सेकेंडरी स्कूल मंडला, अमल ज्योति स्कूल, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय महाराजपुर और उत्कृष्ट विद्यालय मंडला शामिल हैं।

परीक्षार्थियों का परीक्षा केंद्रों पर सुबह से ही पहुंचना शुरू हो गया था। परीक्षा दो सत्रों में आयोजित की जा रही है। पहला सत्र सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक चला, जबकि दूसरा सत्र दोपहर 2:15 बजे से शाम 4:15 बजे तक निर्धारित है। केंद्रों पर त्रि-स्तरीय जांच की व्यवस्था भी लागू

परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए व्यापक इंतजाम किए गए हैं। सभी केंद्रों पर सीसीटीवी सर्विलांस, बायोमेट्रिक फिक्सिंग और बीओआईपी (VoIP) जैसी व्यवस्थाएं लागू की गई हैं। परीक्षार्थियों के लिए परीक्षा शुरू होने से 90 मिनट पहले प्रवेश अनिवार्य किया गया है, और केंद्रों पर त्रि-स्तरीय जांच की व्यवस्था भी लागू है।

एमपीएससी के निर्देशों के अनुसार, परीक्षार्थियों को अपने साथ ई-प्रवेश पत्र, वैध पहचान पत्र, निर्धारित स्याही का पेन, आवश्यकता पड़ने पर फोटो, पारदर्शी पानी की बोतल और दिव्यांग परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक सामग्री ले जाने की अनुमति है। परीक्षा केंद्रों के प्रवेश द्वार पर अनुमत और प्रतिबंधित वस्तुओं की सूची भी प्रदर्शित की गई है। स्थानीय प्रशासन ने परीक्षा को शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की हैं।

हनुमान नाला मंदिर में स्थापित हुई भोलेनाथ की नई मूर्ति

भुआ बिछिया

मंडला बिछिया नगर से 6 किलोमीटर की दूरी पर एनएच 30 बिछिया से मंडला मार्ग पर हनुमान नाला स्थित मंदिर मे विगत कुछ दिन पहले मंदिर में चोरी की घटना हुई थीए जिसका पता अभी नहीं चलाए चोरी के दौरान चोरों से भगवान भोलेनाथ की मूर्ति खंडित हो गई थी ए श्रद्धालुओं ने आज नई मूर्ति स्थापित की जिसकी स्थापना बोहोत जल्दी की जाएगी

मंडला के सड़क हादसे में दो युवकों की मौत

घुघरी थाना क्षेत्र में बाइक पेड़ से टकराई, एक गंभीर

मंडला। जिले में देर रात एक सड़क हादसा हुआ। घुघरी थाना क्षेत्र के डोंगरमंडला घाट पर कटंगी गांव के पास तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। इस हादसे में बाइक सवार तीन युवकों में से दो की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया।

घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची। प्रधान आरक्षक देवेंद्र मरावी, सैनिक पवन सोनवानी और पायलट ने तीनों घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घुघरी पहुंचाया। अस्पताल में डॉक्टरों ने जांच के बाद निखिल धुर्वे और दिलीप पट्टा को मृत घोषित कर दिया। तीसरे युवक मनीराम की हालत गंभीर होने के कारण उसे प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया है, जहां उसकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बेटियों का विवाह अब चिंता नहीं, उत्सव है: मंत्री श्रीमती सम्पतिया उईके

संगम घाट पर मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना में 200 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे

मंडला-महाराजपुर संगम घाट परिसर में रविवार को मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना के तहत भव्य सामूहिक विवाह समारोह आयोजित हुआ। माँ नर्मदा के पावन तट पर मंडला नगर निकाय, बम्हनी नगर निकाय, मंडला जनपद पंचायत और मोहगांव जनपद पंचायत क्षेत्र के कुल 200 जोड़े वैवाहिक बंधन में बंधे। समारोह में जनजातीय परंपरा और हिंदू रीति-रिवाज से विवाह सम्पन्न हुए। साथ ही दो मुस्लिम जोड़ों का निकाह भी मुस्लिम मजहबी रीति से पढ़ाया गया।

'गरीब बेटियों का विवाह अब सामूहिक उत्सव': मंत्री श्रीमती उईके

नव वर-वधुओं को आशीर्वाद देने पहुंची प्रदेश की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती सम्पतिया उईके ने कहा कि पहले निर्धन परिवारों में बेटी के जन्म पर माता-पिता और दादा-दादी को उसके विवाह की बड़ी चिंता सताती थी। सरकार ने इस पीड़ा को समझा और मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना शुरू की। आज गरीब परिवारों की बेटियों का विवाह चिंता का विषय नहीं रहा, बल्कि यह पूरे समाज का सामूहिक उत्सव बन गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव लगातार बेटियों और महिलाओं के कल्याण के लिए काम कर रहे हैं। माँ नर्मदा के आशीर्वाद से सभी नव युगलों का जीवन सुखमय हो, यही कामना है।

सांसद श्री कुलस्ते बोले: आनंद का अवसर है सामूहिक विवाह

सांसद श्री फग्गन सिंह कुलस्ते ने कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह समारोह आनंद और सामाजिक समरसता का अवसर होता है। हम सब मिलकर वर-वधुओं की खुशी में शामिल होते हैं। ऐसे आयोजन हमारी सरकार की संवेदनशील सोच का परिणाम हैं। जिला पंचायत अध्यक्ष श्री संजय कुशराम ने भी नव दंपतियों को सुखी दांपत्य जीवन की शुभकामनाएं दीं।

200 जोड़ों का विवाह, 49 हजार का चेक प्रदान

समारोह में जनजातीय समुदाय के 84 जोड़ों सहित कुल 200 जोड़ों का विवाह संपन्न हुआ। इनमें 1 कल्याणी महिला, 1 दिव्यांग युगल तथा 1 अनाथ बेटी का विवाह भी शामिल रहा। मंडला एवं मोहगांव के ग्रामीण क्षेत्र से एक-एक मुस्लिम जोड़े का भी मुस्लिम रिवाज से निकाह पढ़ाया गया। मंच से मंत्री श्रीमती उईके एवं सांसद श्री कुलस्ते ने ग्राम केहरपुर की दिव्यांग वधु, दादा धनीराम वार्ड की कल्याणी वधु, केहरपुर की ही अनाथ वधु तथा रैगांव की मुस्लिम वधु को 49 हजार रुपये का प्रतीक चेक प्रदान किया। सामूहिक विवाह में परिणय सूत्र में बंधनें वाली सभी वधुओं को डीबीटी के माध्यम से 49 हजार रुपये की राशि हस्तांतरित की गयी है।

मतगणना 2027 के लिए मंत्री श्रीमती सम्पतिया उईके ने की ऑनलाइन स्व गणना

मंडला-मध्यप्रदेश शासन की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती सम्पतिया उईके ने रविवार को मतगणना 2027 के तहत ऑनलाइन स्व गणना की। उन्होंने निर्धारित पोर्टल पर जाकर आवश्यक जानकारियां दर्ज कर स्व गणना की प्रक्रिया पूरी की। इस अवसर पर मंत्री श्रीमती उईके ने कहा कि स्व गणना हर नागरिक की जिम्मेदारी है। सभी लोग समय निकालकर ऑनलाइन पोर्टल पर अपनी व परिवार की जानकारी भरें। इससे सरकार को योजनाएं बनाने में सटीक आंकड़े मिलेंगे और विकास कार्यों की सही दिशा तय हो सकेगी।

उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि मतगणना 2027 में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। स्व गणना कर आप न केवल अपनी जिम्मेदारी निभाएंगे बल्कि प्रदेश के विकास में प्रत्यक्ष योगदान भी देंगे। सरकार सभी नागरिकों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए मतगणना के आंकड़ों का उपयोग करेगी, इसलिए हर व्यक्ति की जानकारी महत्वपूर्ण है।

एडिशनल एसपी बोले-सरकारी काम में बाधा डालने पर कार्रवाई

इमलीगोहान पंचायत में सचिव से मारपीट

मंडला -जिले के महाराजपुर थाना क्षेत्र की ग्राम पंचायत इमलीगोहान में पंचायत सचिव से मारपीट का मामला सामने आया है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद पुलिस ने जनपद सदस्य हरेंद्र कुमार मसराम के खिलाफ मामला दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार, इमलीगोहान ग्राम पंचायत में सामान्य सभा की बैठक आयोजित की गई थी। पंचों की संख्या कम होने के कारण यह बैठक दोपहर 2 बजे स्थगित कर दी गई थी।

जनपद सदस्य के दस्तावेज मांगने पर मारपीट

बैठक स्थगित होने के बाद सचिव देवचन्द्र कछवाहा कार्यालय में मौजूद थे। तभी जनपद सदस्य हरेंद्र कुमार मसराम पंचायत भवन पहुंचे और उनसे रोकड़ बही और निर्माण कार्यों से संबंधित दस्तावेज मांगे। सचिव का आरोप है कि जब उन्होंने सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत आवेदन देने की बात कही, तो जनपद सदस्य भड़क गए और गाली-गलौच करते हुए मारपीट की।

जनपद सदस्य ने आरोपों से इनकार किया

वहीं, जनपद सदस्य हरेंद्र मसराम ने आरोपों से इनकार किया है। उनका कहना है कि मामला करीब 16 लाख रुपए के गबन से जुड़ा है। उन्होंने दावा किया कि वायरल वीडियो में मारपीट जैसी कोई घटना नहीं दिख रही है और उनके खिलाफ दबाव बनाने के लिए एफआईआर दर्ज कराई गई है।

सरकारी काम में बाधा डालने पर FIR

एडिशनल एसपी शिवकुमार वर्मा ने बताया कि दोनों पक्षों की शिकायतों और वीडियो सामने आने के बाद जांच की गई। जांच के आधार पर हरेंद्र मसराम के खिलाफ महाराजपुर थाने में शासकीय कार्य में बाधा डालने और मारपीट का मामला दर्ज किया गया है। फिलहाल, मामले की विवेचना जारी है।

नगर के लर्निंग ट्री स्कूल के नन्हे बच्चों का पुलिस स्टेशन भ्रमण पर पौधे भी लगाए, पक्षियों को दाना डाले

भुआ बिछिया मंडला नगर के स्कूल के बच्चों ने प्राथमिक शिक्षा के साथ पुलिस थाना का भ्रमण किया और ज्ञान वर्धक जानकारी ली, इस अवसर पर लर्निंग ट्री स्कूल के नन्हे बच्चों ने उत्साह और जिज्ञासा के साथ पुलिस स्टेशन का शैक्षिक भ्रमण किया। इस दौरान बच्चे बेहद उत्सुक दिखाई दिए और उन्होंने पुलिस स्टेशन के विभिन्न विभागों को नजदीक से देखा तथा पुलिस के कार्यों के बारे में जानकारी प्राप्त की।बच्चों ने अपने घर से बनाए हुए सुंदर **Thank You Cards** पुलिस कर्मियों को भेंट किए, जिससे पुलिसकर्मी भी भावुक और प्रसन्न हुए। इस गतिविधि के माध्यम से बच्चों में सम्मान और आभार की भावना विकसित हुई।इसके साथ ही बच्चों ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। उन्होंने "पेड़ लगाओ, पर्यावरण बचाओ" का संदेश फैलाया और पुलिस स्टेशन परिसर में पौधे भेंट किए। साथ ही, बच्चों ने पक्षियों के लिए पानी और दाने की व्यवस्था भी की, जिससे जीवों के प्रति संवेदनशीलता का सुंदर उदाहरण प्रस्तुत किया।यह भ्रमण बच्चों के लिए ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक रहा, जिसमें उन्होंने अनुशासन, सेवा और प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी जैसे महत्वपूर्ण मूल्यों को सीखा।

आदि शंकराचार्य प्राकट्योत्सव पर जिला स्तरीय भव्य व्याख्यान कार्यक्रम संपन्न

मंडला-मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद मंडला के तत्वावधान में "आदि शंकराचार्य" के पावन प्राकट्योत्सव (प्राकट्य पंचमी) के अवसर पर जिला स्तरीय भव्य व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन स्थानीय डाइट सभागार में प्रातः 11 बजे से सायं 3 बजे तक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में जिले से आए विद्वानों, विद्यार्थियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं नागरिकों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि स्वामी सच्चिदानंद महाराज (सुरंगदेव आश्रम) रहे तथा अध्यक्षता जिला पंचायत सदस्य श्री संदीप सिंह ने की। मुख्य वक्ता के रूप में श्री महेंद्र सिंह (वैदिक गुरुकुल एवं गैस आरक्षण समिति कार्यक्रम संयोजक) उपस्थित रहे। विशेष अतिथि के रूप में ब्रह्मचारी विक्रांत सिंह एवं जिला समन्वयक श्री राजेंद्र चौधरी मंचासीन रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ "आदि शंकराचार्य" एवं माँ सरस्वती के चित्रों के समक्ष दीप प्रज्वलन, संगठन गीत एवं मंत्र के साथ हुआ। प्रस्तावना रखते हुए श्री राजेंद्र चौधरी ने जन अभियान परिषद के सामाजिक एवं सांस्कृतिक प्रयासों पर प्रकाश डालते हुए कार्यक्रम के उद्देश्यों की जानकारी दी।

व्याख्यान में "आदि शंकराचार्य" के जीवन दर्शन पर विस्तार से चर्चा करते हुए बताया गया कि उनका जन्म केरल के कालड़ी ग्राम में हुआ था। उन्होंने अल्पायु में सन्यास ग्रहण कर संपूर्ण भारत का भ्रमण किया और सनातन संस्कृति के पुनर्जागरण का कार्य किया। अद्वैत वेदांत के माध्यम से "सर्वं खल्विदं ब्रह्म" का संदेश देते हुए उन्होंने देश के चारों दिशाओं में चार प्रमुख मठ स्थापित कर सांस्कृतिक एकता को सुदृढ़ किया।

मुख्य अतिथि स्वामी सच्चिदानंद महाराज ने अपने उद्बोधन में कहा कि "आदि शंकराचार्य" भारतीय संस्कृति के महान पुनर्जागरणकर्ता थे। उन्होंने सामाजिक कुरीतियों, छुआछूत और पाखंड का विरोध करते हुए समरस समाज की स्थापना का मार्ग प्रशस्त किया। कार्यक्रम में नवांकुर संस्थाओं के प्रतिनिधि, ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों के सदस्य, सीएमसीएलडीपी पाठ्यक्रम के छात्र-छात्राएं, विद्यार्थी एवं नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन 'नर्मदाष्टक' के सामूहिक पाठ के साथ हुआ, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया।

ब्राह्मण बटुकों का यज्ञोपवीत आज, शाम को निकली जाएगी बारात के साथ शोभा यात्रा

भुआ बिछिया मंडला। नगर में दिनांक 27 अप्रैल 2026, सोमवार को माहिष्मति सर्व ब्राह्मण समाज, बिछिया द्वारा आयोजित सामूहिक उपनयन संस्कार कार्यक्रम की तैयारियां लगभग पूर्ण हो चुकी हैं कार्यक्रम को लेकर समाज के अध्यक्ष रजनीश पांडे ने सभी को अपने दिशा निर्देश दे चुके है ओर उसी आधार पर कार्यक्रम की तैयारियां चल रही है सुबह 8 बजे से कार्यक्रम प्रारंभ कर दिया जाएगा और पूरे दिन की रूपरेखा बनाली गई है, शाम 4 बजे बटुकों की बारात शोभा यात्रा के रूप में निकली जाएगी जिसमे सभी लोगों से शोभा यात्रा में शामिल होने समिति ने अनुरोध किया है ,

कान्हा टाइगर रिजर्व के सरही जोन में निरंतर हो रही बाघों की मौत जिम्मेदार कौन?

भुआ बिछिया मंडला बिछिया से महज 7 किलोमीटर की दूरी पर कान्हा टाइगर रिजर्व के सरही जोन के अमाही क्षेत्र में पिछले 7 दिनों में 1 मादा बाघिन के कुल 4 शावकों में से 3 बाघ शावकों की मृत्यु हो चुकी है और शेष मादा बाघिन और एक शावक की स्थिति अभी नाजुक बनी है और प्राप्त जानकारी के अनुसार सरही जोन के अमाही क्षेत्र में ही 1 और मादा है जिसके 2 शावक है जिसके संबंध में विगत 15 दिनों से कोई जानकारी नहीं है स्थानीय गाइड ड्राइवरों से प्राप्त जानकारी के अनुसार मादा बाघिन व शावक पिछले 20 दिनों से बहुत ही बीमार थे जिसकी जानकारी वन परिक्षेत्र अधिकारी सरही शैलेंद्र उइके को दी गई थी किंतु रेंजर की उदासीनता की वजह से अंतिमतः बाघों की मौत हो रही है और साथ ही रेंजर को जानकारी दी गई थी कि मादा एवं उसके शावक नहीं दिख रहे है तब भी रेंजर ने कोई कार्यवाही नहीं की रेंज ऑफिसर की उदासीनता के सम्बन्ध में स्थानीय लोगों ने बताया कि वन परिक्षेत्र अधिकारी सरही गश्त नहीं करते उनका पूरा ध्यान सिर्फ निर्माण कार्यों में रहता है जिसकी वजह से इतनी बड़ी दुर्घटना हुई।

खबर संक्षेप

उपार्जन केंद्र का निरीक्षण व्यवस्थाओं को लेकर दिए निर्देश

डिंडौरी।अनुविभागीय अधिकारी डिंडौरी रामबाबू देवागन ने निगवानी उपार्जन केंद्र का निरीक्षण कर गेहूं मसूर और चना खरीदी की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान केंद्र में चल रहे खरीदी कार्य और उपलब्ध सुविधाओं की समीक्षा की गई।निरीक्षण में पाया गया कि गेहूं मसूर और चना खरीदी के लिए बारदाने की पर्याप्त उपलब्धता है। केंद्र परिसर में जल मंदिर के माध्यम से मटकों में पेयजल की व्यवस्था की गई है। वजन के लिए पांच कांटे उपलब्ध हैं और एक अतिरिक्त कांटा लगाने के निर्देश भी दिए गए।खरीदे गए गेहूं और मसूर की गुणवत्ता संतोषजनक पाई गई। केंद्र प्रभारियों को निर्देश दिए गए कि निर्धारित मानकों के अनुसार ही गुणवत्तापूर्ण उपज की खरीदी सुनिश्चित की जाए।निरीक्षण के दौरान प्राथमिक उपचार किट उपलब्ध नहीं मिलने पर संबंधित अधिकारियों को शाम तक इसकी व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। किसानों के लिए केंद्र में बैठने हेतु छाया की व्यवस्था भी उपलब्ध पाई गई।उपार्जित स्कंध को सुरक्षित रूप से गोदाम में रखा जा रहा है। अधिकारियों को सभी व्यवस्थाएं सुचारू बनाए रखने और किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न होने देने के निर्देश दिए गए।

महिलाओं के लिए सिलाई और ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण शुरू

डिंडोरी।महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सेंट आरसेटी डिंडोरी द्वारा महत्वपूर्ण पहल की गई है। आगामी 04 मई 2026 से 30 दिवसीय महिला सिलाई प्रशिक्षण और ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ किया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को कौशल विकास के माध्यम से रोजगार और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है।प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत प्रतिभागियों को आधुनिक सिलाई तकनीक डिजाइनिंग मेकअप हेयर स्टाइलिंग और ब्यूटी से जुड़ी विभिन्न सेवाओं का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। विशेषज्ञ प्रशिक्षकों द्वारा इस प्रशिक्षण को इस प्रकार तैयार किया गया है कि महिलाएं आसानी से अपना स्वयं का व्यवसाय शुरू कर सकें।आरसेटी अधिकारियों के अनुसार यह प्रशिक्षण पूरी तरह निःशुल्क रहेगा। चयनित प्रतिभागियों को प्रशिक्षण के दौरान आवश्यक सामग्री और मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाएगा। प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद बैंक ऋण और स्वरोजगार स्थापित करने में भी सहयोग प्रदान किया जाएगा।इच्छुक महिलाएं सेंट आरसेटी डिंडोरी कार्यालय में संपर्क कर निर्धारित प्रक्रिया के माध्यम से आवेदन कर सकती हैं। यह पहल जिले की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण अवसर साबित होगी।

जल संसाधन विभाग के अधिकारियों ने किया जैविक खेती केंद्र का निरीक्षण

डिंडौरी।जिले में जैविक खेती के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रही नर्मदांचल गौ सेवा समिति ढोंढ़ा का जल संसाधन विभाग के अधिकारियों ने भ्रमण कर व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। यह केंद्र जैविक कृषि विशेषज्ञ बिहारी लाल साहू के मार्गदर्शन में संचालित हो रहा है जो पिछले एक दशक से प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।बिहारी लाल साहू न केवल स्वयं जैविक खेती कर रहे हैं बल्कि जिले और आसपास के किसानों को इसके लिए प्रशिक्षण भी दे रहे हैं। वे महाविद्यालयों विद्यालयों शासकीय संस्थानों और स्वयंसेवी संगठनों के माध्यम से जागरूकता फैलाने के साथ अपने फार्म हाउस में जैविक खेती का प्रत्यक्ष प्रदर्शन भी करते हैं। हाल ही में जल संसाधन विभाग के कार्यपालन यंत्री एस के शर्मा सहायक यंत्री अमित उइके अनुविभागीय अधिकारी सी बी ठावरे और उपयंत्री हर्षित भोज ने नर्मदांचल गौ सेवा केंद्र पहुंचकर जैविक फार्म हाउस और प्रयोगशाला का निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने केंचुआ खाद वर्मीवाश जीवामृत यूनिट बायोडाइजेस्टर यूनिट बीज उपचार सहित विभिन्न जैविक प्रक्रियाओं की जानकारी ली और खेतों में उगाई जा रही फसलों तथा सब्जियों का अवलोकन किया।निरीक्षण के दौरान प्राकृतिक खेती की अवधारणा पर भी विस्तार से चर्चा हुई। विशेषज्ञों ने बताया कि जैसे जंगल में बिना रासायनिक खाद और कीटनाशकों के पेड़ स्वस्थ रहते हैं और भरपूर फल देते हैं उसी सिद्धांत को खेतों में अपनाना ही प्राकृतिक खेती का मूल आधार है।

रात के समय सड़क दुर्घटनाओं में बढ़ोत्तरी कर रहे वाहनों में लगे हुये नियम विरूद्व अतिरिक्त सफेद रोशन वाली लाईट, बैठकों के दौरान अधिकारियों के समक्ष मुख्य मुद्दा

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। अक्सर देखा जाता है प्रशासन के अधिकारियों से लेकर मीडिया व आमजन के बीच आयोजित होने वाली बैठको के द्वारा जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा पत्रकारों सहित आम जनता से परेशानियों के संबंध में जानकारी तो ली जाती है। मगर उन परेशानियों से निजात दिलाने के लिये किसी तरह से कोई कार्यवाही न होना या फिर अधिकारियों द्वारा आमजन की परेशानियों को बैठको के बाद नजर अंदाज कर देना निश्चित तौर से अधिकारियों की कार्यशैली पर प्रश्न चिन्ह लगाने से नही चूक पाती है..? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई लोगों द्वारा जिस तरह अपने वाहनों में नियम विरूद्व अतिरिक्त रूप से लगाये गये सफेद तेज रोशनी वाली लाईटों की समस्या को देखते हुये जान पड़ रहा है...? इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि आये दिन जिला से लेकर स्थानीय अधिकारियों को जहां तहां पाइंट लगाते हुये वाहन चैकिंग करते हुये तो देखा जाता है। मगर इस तरह होने वाले चैकिंग अभियानों के दौरान अधिकारियों द्वारा क्या चैक किया जाता है यह समझ से परे होने से नही चूक पा रहा है..? क्योकि जिस तरह वाहनों में नियम विरूद्व लाईट लगे हुये देखे जा रहे है वह आमजन की जिन्दगी को खतरे में डालने से नही चूक रहे है। इस सच्चाई को मीडिया द्वारा लगातार उजागर किये जाने के साथ साथ अधिकारियों व पत्रकारों सहित आमजन के बीच होने वाली बैठकों के दौरान यह परेशानी प्रमुख मुद्दा के रूप में चर्चा का विषय बनने से नही चूक पाता है। वही दूसरी ओर वाहनों में नियम विरूद्व लगे हुये तेज सफेद रोशनी वाले लाईटों के खिलाफ कार्यवाही का अधिकारियों द्वारा भरोसा भी दिया जाता है। मगर यह भरोसा सिर्फ उस बैठक तक सीमित रहना निश्चित तौर से अधिकारियों की कार्य प्रणाली पर सबाल खड़े करने से नही चूक रहा है। क्योंकि इस सच्चाई को नजर अंदाज किया जाना तथा वाहनों के खिलाफ किये जाने वाली चैकिंग मुहिम अपने आप ही औपचारिकता पूर्ण दिखाई देने से नही चूक पा रही है...? यदि नजर डाली जावे तो जिस प्रकार से शाम होते ही सड़को पर आमजन को अपने छोटे वाहन चलाने की बात तो दूर पैदल निकलना भी मुश्किल होने से नही चूक पा रही है। हालत यह बन रहे है कि लोगों को वाहनों में लगाये जा रहे सफेद लाईटो के सामने पड़ते हुये दिखाई देना बंद हो जाता है। यही कारण सड़क दुर्घटनाओं को बढ़ावा देने से नही चूक पा रहा है। हालत इस तरह देखने मिल रहे है कि दो पहिया से लेकर चार पहिया वाहनों में जिस तरह सफेद लाईटों की भरमार बना रखी है वह अब आमजन के लिये भारी पड़ने से नही चूक पा रही है। क्योंकि जहां एक ओर कंपनियों द्वारा खुद ही वाहनों में सफेद तेज रोशनी वाले लाईट लगाना शुरू कर दिया गया है। मगर इसके बाद भी वाहन जिस तरह मालिकों द्वारा अपने अति रिक्त लाईट लगाये जा रहे है वह आमजन की जिन्दगी को खतरे में डालने में कोई कसर नही छोड़ रहे है। सच्चाई पर गौर किया जावे तो रात के समय घटित होने वाली सड़क दुर्घटनाओं को मुख्य कारण वाहनों में अतिरिक्त रूप से लगे हुये यह सफेद रोशनी वाले लाईट कारण बनने से नही चूक पा रहे है..? क्योंकि वाहनों में जिस प्रकार से एलईडी लाईट लगाये जा रहे है उसके चलते हाल यह बना हुआ है कि यदि रात के समय इन वाहनों के सामने कोई व्यक्ति आ जाता है तो उसकी आंखों पर लाईट पड़ते ही सामने कुछ दिखाई नही देता है और सामने वालो छोटे वाहन का चालक जहां का तहां खड़ा रहता है और दुर्घटना का शिकार बनने से नही चूक पाता है। इसी प्रकार की सच्चाई आये दिन होने वाली सड़क दुर्घटनाओं में देखने मिल रही है। बीते हुये कुछ दिनों पहले नगर में घटित हुई घटना के दौरान मोटर साईकिल चालक ने बताया कि जब वह पलोटन गंज के ओर जा रहा था और सामने से आ रहे आटों में तेज रोशनी वाले अतिरिक्त रूप में लगे हुये एलईडी लाईटों के चलते उसे कुछ नही दिख रहा था जिसके चलते उसने अपनी गाड़ी को वही रोक ली और आटों चालक ने सामने से टक्कर मारते हुये घायल कर दिया गया था। इस तरह लोगों द्वारा अपने वाहनों में अपना शौंक पूरा करने के लिये मनमानी करते हुये जिस तरह नियम विरूद्व लगाये गये अतिरिक्त लाईट आमजनता के साथ साथ पशुओं के लिये भी खतरा बनने से नही चूक रहे है। मनमाने तौर से लोगों द्वारा अपने वाहनों में अतिरिक्त लाईटों की भरमार करने में रात के समय दौड़ने वाले आटों में सबसे अधिक देखी जा रही है। हाल यह बना हुआ है कि एक आटों में आधा आधा दर्जन लाईट लगे हुये है जो प्रतिदिन रात के समय शहर की सड़को से लेकर पुलिस थाने के सामने से गुजरने से नही चूकते है। मगर इसके बाद भी इनके खिलाफ किसी भी प्रकार से कोई कार्यवाही न होने से इनके हौसले बुलंद होते चले जा रहे है। यह बात अलग है कि कुछ माह पहले स्थानीय स्तर पर तत्कालीन उप पुलिस अधीक्षक रत्नेश मिश्रा के समय में जरूर पुलिस द्वारा इस तरह अतिरिक्त लाईटों वाले आटों के खिलाफ कार्यवाही शुरू की गई थी जिससे कुछ हद तक अंकुश लगते हुये दिखाई देने लगा था। मगर इसके बाद उनके यहां से जाते ही कार्यवाही में शिथिलता होने के चलते आटों चालक सहित अन्य वाहनों मालिकों के हौसले पुनः बुलंदियों में नजर आने लगे है। यह बात अलग है कि शासन प्रशासन आये दिन घटित होने वाली सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिये लगातार प्रयास करते हुये देखी जा रही है। मगर इसके बाद भी रात के समय घटित होने वाली सड़क दुर्घटनाओं का मुख्य कारण यही है कि वाहनों में लगाये जाने वाली सफेद लाईटों के चलते यह घटनाये घटित होना आम बात हो चली है। मगर वाहन चैकिंग के दौरार परिवहन विभाग से लेकर पिलस द्वारा इस सच्चाई को नजर अंदाज किया जाना सबाल खड़े करने से नही चूक रहा है..? आमजन का कहना है कि यदि सड़क दुर्घटनाओं पर कमी लाना है कि वाहनों में लगने वाली इन सफेद लाईटों पर अंकुश लगने की जरूरत है। यह बात अलग है कि जिन वाहनों में कंपनी द्वारा लाईट लगाये गये है उन्हें तो निकलवाना संभव नही है। मगर उन लाईटों को तो निकलवाया जा सकता है जो वाहन मलिकों द्वारा अपने वाहनों में अतिरिक्त रूप से मनमानी करते हुये लगाये जा रहे है..?

चीचली क्षेत्र में कागजों के भरोसे चलते हुए नजर आ रही आंगनवाडी संबंधित योजनाएं

हरिभूमि न्यूज/चीचली।

शहरों के साथ साथ सरकार द्वारा ग्रामीण महिलाओं व बच्चों को अनेक प्रकार के लाभ देने के उद्वेश्य से करोड़ो रूपया खर्च आगंनवाड़ी केन्द्रो की स्थाना की गई है,मगर देखनें में आता है कि ग्रामीण अंचलों मे संचालित आंगनबाडियों का फायदा महिलाओं व बच्चों को मिलते हुये शायद ही कही दिखाई दे पा रहा हो..? जबकि महिला बाल विभाग के माध्यम से संचालित होने वाले इन योजनाएं के नाम पर सरकार द्वारा प्रति वर्ष करोडो रूपए खर्च कर जन हितैषी योजनाए बनाती है मगर वह योजनाएं मात्र कागजो तक ही सीमित होने के चलते शासन की राशि बर्बाद ही होते हुए दिखाई देने लगी है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय जनपद पंचायत चीचली के अंतर्गत अनेक गांवों में संचालित होने वाले आंगनवाड़ी केन्द्रो में आसानी से देखने मिली सकती है? बताया जाता है कि क्षेत्र के अनेक आंगनबाडियों में मासूम बच्चों को न तो पौष्टिक आहार मिल पा रहा है और न पढाई की सुविधा मिल रही है। वही दूसरी ओर गर्भवती महिलाओं को इन केन्द्रों से समय समय पर जो लाभ मिलना चाहिए था वही भी कोसो दूर दिखाई देने के साथ साथ मात्र कागजों पर चलते हुये देखने मिल रहा है..? जबकि केन्द्रों के कागजों के हिसाब से देखा जावे तो उनकी खाना पूर्ति पूर्ण रूप से होती रहती है, जिसके चलते ग्रामीणों का आरोप है कि महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी, केंद्र प्रभारियों की सांठ गांठ से फर्जी बिल,आंकडे तैयार कर प्रतिवर्ष लाखों रूपए गोलमाल होना आम चर्चा बन चुका है..? इस प्रकार से अनेक केंद्रों पर मनमर्जी इस प्रकार से देखने मिलती रही है कि आंगनबाडी केंद्र कब खुलते है और कब बंद होते है और इन केन्द्रो पर कितने बच्चे पढ़ाई करने के एलि पहुंचते है, जबकि कागजों के हिसाब से दर्ज संख्या के अनुसार बच्चों की प्रतिदिन उपस्थिति दिखाई देने से नही चूकती है, वही अधिकारियों की सच्चाई पर गौर किया जावे तो संबंधित विभाग के अधिकारियों द्वारा इनका निरीक्षण सिर्फ शासकीय गाड़ियों में घूमते हुए औपचारिकत पूर्ण ही देखने मिलता है।

नगर आगमन पर भक्तों से किया भव्य स्वागत, गुरु की शरण में रह कर अहंकार को त्यागें एवं नारी का सम्मान करें - स्वामी इंद्रदेव महाराज

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

शनिवार को नगर में संत श्री 1008 महामंडलेश्वर स्वामी इंद्रदेव सरस्वती महाराज का आगमन हुआ। इस दौरान स्टेशन पर पहुंचकर उनका शिष्यों ने ढ़ोल बाजे के साथ भव्य स्वागत किया गया। सम्मान के साथ उन्हें सुरेन्द्र नामदेव के आवास तक लेकर आये। वही नगर के नूपुर कान्वेंट स्कूल में स्वागत उपरांत शिष्यों से संवाद करते हुए बताया कि इसी वर्ष नवंबर माह में उनके द्वारा यज्ञ एवं शिव महापुराण कथा का आयोजन किया जायेगा जिसमे सभी की सहभागिता एवं सहयोग जरुरी है। वही बताया जाता है कि इस दौरान शिष्यों द्वारा पूछे गये विभिन्न प्रश्नों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि स्वयं में गुरु केवल एक व्यक्ति नहीं बल्कि एक तत्व है जो अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाता है। गुरु के बिना ईश्वर की प्राप्ति असंभव मानी गई है। जिस तरह बिना नक्शे के अनजान को राह पर भटकने का डर रहता है। वैसे ही बिना गुरु के संसार रूपी सागर को पार करना कठिन है। क्योंकि गुरु शिष्य के भीतर छिपे विकारों को दूर कर उसे आत्मज्ञान से परिचित कराते हैं। वही गुरु दीक्षा का महत्तव बताते हुए कहा कि दीक्षा का अर्थ है स्वयं को गुरु के चरणों में समर्पित कर देना और उनके बताए अनुशासन का पालन करना। दीक्षा केवल दिखावा नहीं होनी चाहिए, बल्कि हृदय से परिवर्तन की चाह होनी चाहिए। नारी शक्ति को समाज और धर्म का आधार मानते हुए कहा कि एक शिक्षित और संस्कारी नारी पूरे परिवार और आने वाली पीढ़ियों को तार सकती है। उस दौरान महाराज ने पुरुष प्रधान समाज को सचेत करते हुए कहा कि जहाँ नारी का अपमान होता है। वहाँ कभी सुख-समृद्धि नहीं रह सकती। अपने शिष्यों को उन्होंने मीराबाई, शबरी और अन्य महिला भक्तों के उदाहरण देकर समझाया कि भक्ति के मार्ग पर नारियाँ पुरुषों से कहीं अधिक कोमल हृदय और समर्पित रहते हुये प्रभु की आराधना करती है। उनके संवाद कार्यक्रम का सार यह रहा कि गुरु की शरण में रहकर अहंकार को त्यागें और समाज में नारी का सम्मान करें। संवाद एवं स्वागत कार्यक्रम में नपा अध्यक्ष शिवाकांत मिश्रा ने कहा कि शिव महापुराण कथा में हर संभव सहयोग करते हुए उसे भव्य आयोजन बनाएंगे। वही संत इन्द्रदेव माहराज के आगमन से आत्मीय प्रसन्नता हुई है। इस अवसर पर कार्यक्रम का संचालन करते हुए जितेंद्र नामदेव एवं सुरेन्द्र नामदेव ने आगामी रुपरेखा से अवगत कराया। इस अवसर पर अनेक धर्मप्रेमी श्रद्धालु उपस्थित रहे।

नर्मदा स्वच्छता अभियान को मिली नई गति जनभागीदारी से बदल रही तस्वीर

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी ।

मध्यप्रदेश की जीवनदायिनी मां नर्मदा की स्वच्छता और संरक्षण के लिए जिले में चल रहे प्रयास अब व्यापक जनभागीदारी के साथ अभियान का रूप ले चुके हैं। जल गंगा संवर्धन अभियान और मैया अभियान के तहत प्रत्येक रविवार को नर्मदा घाटों पर नियमित रूप से सफाई कार्य किया जा रहा है जिससे सकारात्मक परिणाम सामने आने लगे हैं।कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया के मार्गदर्शन में नगर पालिका स्वास्थ्य राजस्व शिक्षा और आयुष विभाग के साथ व्यापारी संघ और स्वयंसेवी संगठन भी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। अधिकारी कर्मचारी और नागरिक एक साथ श्रमदान कर घाटों की सफाई कर रहे हैं और समाज को स्वच्छता का संदेश दे रहे हैं।लगातार चल रहे इस अभियान का असर अब घाटों और नदी के जल में साफ तौर पर दिखाई देने लगा है। घाटों से कचरा हटाने के साथ ही लोगों को भी जागरूक किया जा रहा है कि वे नदी को प्रदूषित न करें और स्वच्छता के नियमों का पालन करें।प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि नर्मदा नदी में साबुन डिटर्जेंट और अन्य अपशिष्ट पदार्थों का उपयोग न करें और घाटों की स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करें। जल गंगा संवर्धन अभियान के माध्यम से नर्मदा सहित अन्य जल स्त्रोतों के संरक्षण स्वच्छता और पर्यावरण संतुलन को बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इस पहल का उद्देश्य जल संरक्षण को जनभागीदारी से जोड़ना और लोगों में जागरूकता बढ़ाना है।कलेक्टर ने कहा कि मां नर्मदा के प्रति हमारी आस्था तभी सार्थक होगी जब हम उसे स्वच्छ और निर्मल बनाए रखने का संकल्प लें। उन्होंने जिलेवासियों से इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की है।डिंडौरी में चल रहा यह अभियान प्रशासन और जनता के बेहतर समन्वय का उदाहरण बनकर उभर रहा है और अन्य क्षेत्रों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बन रहा है।

एमपीपीएससी प्रारंभिक परीक्षा शांतिपूर्वक संपन्न

डिंडौरी।रविवार को जिले के एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय और शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग की प्रारंभिक परीक्षा 2026 दो चरणों में शांतिपूर्वक संपन्न हुई।कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया के निर्देशन में परीक्षा से पूर्व सभी आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित की गई थीं। कलेक्टर ने शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय स्थित परीक्षा केंद्र का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए जिससे परीक्षा सुव्यवस्थित ढंग से आयोजित हो सकी।परीक्षा का प्रथम सत्र सुबह 10 बजे से 12 बजे तक और द्वितीय सत्र दोपहर 2 बजकर 15 मिनट से 4 बजकर 15 मिनट तक आयोजित हुआ। प्रथम चरण में 1033 अभ्यर्थियों में से 784 परीक्षार्थी उपस्थित रहे जबकि द्वितीय चरण में 773 अभ्यर्थी शामिल हुए और 260 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे।जिले के सभी परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा शांतिपूर्ण और व्यवस्थित माहौल में संपन्न हुई। परीक्षा के दौरान स्वास्थ्य टीम पुलिस बल पेयजल व्यवस्था फिस्किंग व्यवस्था प्रत्येक कक्ष में सीसीटीवी कैमरे परिवेक्षक और उड़नदस्ता दल द्वारा लगातार निगरानी रखी गई। इस वर्ष विशेष रूप से इंदौर से कैमरों के माध्यम से सीधी निगरानी भी की गई।संभागीय प्रेक्षक डॉ अशोक मार्गव जिला नोडल अधिकारी वेद्यनाथ वासनिक एसडीएम रामबाबू देवागन जनसंपर्क अधिकारी चेतराम अहिरवार रूपेंद्र पांडेय सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी पूरे समय व्यवस्थाओं में तैनात रहे और केंद्रों का लगातार निरीक्षण करते रहे।

आदि शंकराचार्य प्राकट्योत्सव पर जिला स्तरीय व्याख्यान संपन्न, सनातन संस्कृति सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय एकता पर विशेष जोर

डिंडोरी।मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद जिला डिंडोरी के तत्वावधान में आदि शंकराचार्य के पावन प्राकट्योत्सव प्राकट्य पंचमी के अवसर पर जिला स्तरीय व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन शासकीय चंद्र विजय महाविद्यालय में प्रातः 11 बजे से सायं 4 बजे तक गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में जिले भर से आए विद्वानों विद्यार्थियों सामाजिक कार्यकर्ताओं और नागरिकों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूज्य स्वामी रूप नारायण पुरी राम बाई सेवा आश्रम डेम घाट रहे। अध्यक्षता सुधीर दत्त तिवारी आदर्श जन कल्याण समिति ने की। मुख्य वक्ता के रूप में जनजातीय कल्याण केंद्र बरगांव के प्रकल्प प्रमुख श्याम जी उपस्थित रहे। विशेष अतिथि के रूप में सिद्ध टेकरी चटूवा आश्रम के स्वामी रमेश गिरी महाराज नर्मदा समग्र से पवन शर्मा तथा जिला समन्वयक धर्मेंद्र चौहान उपस्थित रहे।कार्यक्रम का शुभारंभ आदि शंकराचार्य और मां सरस्वती के चित्रों के समक्ष दीप प्रज्वलन गीत और मंत्रोच्चार के साथ हुआ। अतिथियों का स्वागत पुष्पमालाओं से किया गया। प्रस्तावना प्रस्तुत करते हुए धर्मेंद्र चौहान ने जन अभियान परिषद के सामाजिक और सांस्कृतिक प्रयासों की जानकारी दी और कार्यक्रम के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला।व्याख्यान के दौरान धर्मेंद्र चौहान ने आदि शंकराचार्य के जीवन दर्शन पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए बताया कि उनका जन्म केरल के कालड़ी ग्राम में हुआ था। अल्पायु में संन्यास लेकर उन्होंने पूरे भारत का भ्रमण किया और सनातन संस्कृति के पुनर्जागरण का कार्य किया। उन्होंने अद्वैत वेदांत का प्रतिपादन करते हुए सर्वं खल्विदं ब्रह्म्म का संदेश दिया और चारों दिशाओं में मठों की स्थापना कर देश को सांस्कृतिक एकता के सूत्र में जोड़ा।मुख्य अतिथि स्वामी रूप नारायण पुरी ने कहा कि आदि शंकराचार्य भारतीय संस्कृति के महान पुनर्जागरणकर्ता थे। उन्होंने समाज में व्याप्त कुरीतियों और भेदभाव का विरोध करते हुए समरस समाज की स्थापना का मार्ग दिखाया। उनका जीवन सत्य एकता और आध्यात्मिक जागरण की प्रेरणा देता है सुधीर दत्त तिवारी ने कहा कि वर्तमान समय में आदि शंकराचार्य के आदर्शों को अपनाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण स्वदेशी अपनाने कुटुंब प्रबोधन सामाजिक समरसता और नागरिक कर्तव्यों के पालन पर विशेष जोर दिया। वक्ता श्याम जी ने कहा कि आदि शंकराचार्य का योगदान सनातन संस्कृति को एक सूत्र में बांधने में अतुलनीय है। उनके द्वारा स्थापित परंपराएं आज भी भारतीय आध्यात्मिक जीवन की आधारशिला हैं। उन्होंने गौ सेवा जल संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण को मानव सेवा का महत्वपूर्ण अंग बताते हुए सभी को इन कार्यों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया।कार्यक्रम का संचालन डॉ निलेश्वरी वैश्य ने किया। अंत में भानु प्रताप मरावी ने आभार व्यक्त किया और गणेश राजपूत द्वारा सभी को जल संरक्षण का संकल्प दिलाया गया।कार्यक्रम में नवांकुर संस्थाओं के प्रतिनिधि ग्राम विकास समितियों के सदस्य छात्र छात्राएं और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन नर्मदाष्टक के सामूहिक पाठ के साथ हुआ जिससे वातावरण भक्तिमय हो गया।

हरिभूमि

समाचार ही नहीं, विचार भी

सुनहरा मौका, सुनिश्चित उपहार 2026

प्रथम उपहार 1 कार

द्वितीय उपहार
3 नग बाईक

तृतीय उपहार
10 नग LED TV

चतुर्थ उपहार
5 नग फ्रीज

पांचवा उपहार
8 नग बासिंग मशीन

छठवां उपहार
15 नग गैस चूल्हा

सातवां उपहार
25 नग सिलिंग फैन

आठवां उपहार
40 नग ट्राली बैग

नवां उपहार
500 नग हॉट पॉट

दसवां उपहार
600 नग लंच बाक्स

ग्यारहवां उपहार
प्रत्येक प्रतिभागी को सांत्वना उपहार

नियम एवं शर्तें :- ❖ यह सुनहरा मौका, सुनिश्चित उपहार योजना 1 मई 2026 से 31 दिसम्बर 2026 की अवधि के लिए है। ❖ हरिभूमि के नये एवं पुराने पाठक इसमें भाग ले सकते हैं। ❖ महालक्की ड्रा. में भाग लेने वाले हर प्रतिभागी को एक सुनिश्चित उपहार जीतने का अवसर होगा। ❖ इस योजना अवधि में हरिभूमि समाचार पत्र में कुल 50 कूपन (35 सामान्य कूपन एवं 15 मास्टर कूपन) प्रकाशित किये जाएंगे। ❖ योजना में भाग लेने के लिये पाठकों को हरिभूमि में प्रकाशित फार्मेट पर उपरोक्त अवधि के दौरान समाचार पत्र में प्रकाशित 50 कूपनों में से कुल 30 कूपन (20 सामान्य एवं 10 मास्टर कूपन) चिपकाने होंगे। ❖ फोटोकॉपी या कटे-फटे कूपन व फार्मेट मान्य नहीं होगे। ❖ राज्य सरकार एवं केन्द्र सरकार के सभी नियम लागू होंगे। ❖ सुनहरा मौका सुनिश्चित उपहार योजना के विजेता को आयकर के नियम व शर्तें मान्य होगी। ❖ हरिभूमि निर्णायक मंडल का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा। ❖ किसी प्रकार के विवाद में न्यायालय क्षेत्र रायपुर (छ.ग.) होगा। ❖ चित्र में दर्शाए गए उपहार वास्तविक उपहार से भिन्न हो सकते हैं। ❖ हरिभूमि कर्मचारी, एजेंट व उनके परिवार के सदस्य इस योजना के पात्र नहीं हो सकते।

आज ही हरिभूमि की प्रति बुकिंग करायें

हरिभूमि कार्यालय : 66/1, औद्योगिक क्षेत्र, रिछाई जिला जबलपुर

मो. 9479623424, 9340637789

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

10

जबलपुर, सोमवार 27 अप्रैल 2026

login : www.haribhoomi.com

करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल

खबर संक्षेप

शासकीय राशि का गबन के आरोपियों की अग्रिम जमानत खारिज

हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर। गत दिवस मप्र उच्च न्यायालय जबलपुर न्यायमूर्ति जी. एस. अहलूवालिया की अदालत द्वारा शिवराज सिंह कौरव और अन्य बनाम मध्य प्रदेश राज्य के मामले में आरोपियों की अग्रिम जमानत याचिका को खारिज कर दिया ै। मामले मे बताया गया कि थाना क्षेत्र मुंगवानी दर्ज अपराध क्रमांक 372/2025 से संबंधित है। उक्त मामले में मुख्य आरोपी शिवराज सिंह कौरव, ग्राम पंचायत पास्ताना के सचिव अनवर खान, सरपंच संतोष कुमार अहिरवार और साहू मटेरियल सप्लायर के प्रोपराइटर प्रदीप साहू पर भारतीय दंड संहिता की धारा 420, 409, 467, 468, 471 और 120-बी/34 के तहत गंभीर आरोप लगाए गए हैं। अभियोजन पक्ष के अनुसार, इन आरोपियों ने सार्वजनिक धन की हेराफेरी करने के उद्देश्य से फर्जी बिल, फर्जी मेजरमेंट बुक (माप पुस्तिका) और फर्जी मस्टर-रोल तैयार किए थे। सुनवाई के दौरान आवेदकों के वकील ने तर्क दिया कि शिकायत दुर्भावनापूर्ण इरादे से की गई है। हालांकि, शासकीय अधिवक्ता ने कड़ा विरोध करते हुए कहा कि आरोपियों ने सार्वजनिक धन की बंदरबांट करने के लिए कूट रचित दस्तावेज तैयार किए हैं। अदालत ने मामले के सभी तथ्यों और परिस्थितियों पर विचार करते हुए कहा कि सरकारी धन के गबन के लिए फर्जी दस्तावेज तैयार करना एक गंभीर अपराध है। अपराध की गंभीर प्रकृति को देखते हुए न्यायाधीश ने माना कि अग्रिम जमानत का कोई आधार नहीं बनता है और जमानत याचिका को पूरी तरह से निरस्त कर दिया।

तापमान पहुंचा 44 के पार

तेंदूखेड़ा इन दिनों सूरज की सीधी किरणों के कारण तापमान काफी बढ़ता चला जा रहा है।तेज लपटों के कारण से आम जनजीवन काफी प्रभावित बना हुआ है। दोपहर 11 बजे के बाद से सड़कों पर सन्नाटा पसर जाता है।आम जनजीवन के साथ साथ पशु पक्षी भी छाया दार वृक्षों के नीचे बैठे देखे जा रहे हैं।देर रात्रि तक गर्म हवाओं के चलते लोग कूलर पंखों का सहारा ले रहे हैं। शनिवार और रविवार को दोपहर एक बजे के बाद से तापमान 44 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

वर्षगांठ पर हुये विविध आयोजन

तेंदूखेड़ा। नगर के वार्ड क्रमांक 01 में स्थित श्री दूल्हा देव एवं आगासोत माता जी की स्थापना वर्षगांठ के अवसर पर विविध आयोजन हुये। इस अवसर पर सुबह से पूजन अभिषेक शोभायात्रा महाआरती और महाप्रसादी का वितरण किया गया।

राज्य सेवा व राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा सम्पन्न

कलेक्टर ने किया परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण

410 ने परीक्षा के पूर्व 13 ने पहले पेपर में मानी हार

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

मप्र लोक सेवा आयोग इंदौर द्वारा आयोजित राज्य सेवा एवं राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2026 का आयोजन रविवार 26 अप्रैल 2026 को दो सत्रों में सम्पन्न हुई। पहला सत्र प्रातः 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक और दूसरा सत्र दोपहर 2:15 बजे से सायं 4:15 बजे तक सम्पन्न हुआ। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने जिला मुख्यालय नरसिंहपुर में बनाए गए विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने जिले में राज्य सेवा एवं राज्य वन सेवा की परीक्षा के लिए शासकीय श्याम सुंदर नारायण मुशरान महिला कॉलेज नरसिंहपुर, शासकीय एमएलबी कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नरसिंहपुर, शासकीय उत्कृष्ट उच्च. माध्यमिक विद्यालय नरसिंहपुर और शासकीय पीजी कॉलेज नरसिंहपुर परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण किया।

परीक्षार्थियों की हुई त्रि-स्तरीय जांच

उन्होंने परीक्षा केन्द्रों में परीक्षार्थियों के लिए वाहन पार्किंग स्थल, बैरीकेट्स, सुरक्षा व्यवस्था, बायोमेट्रिक, साफ-सफाई, फ्रिस्किंग, बीओआईपी व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था, विद्युत एवं जनरेटर की व्यवस्था, पंखे, टॉयलेट की व्यवस्था, पुलिस कंट्रोल रूम, चिकित्सा सुविधा इत्यादि व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी ली। राज्य सेवा एवं राज्य वन सेवा की परीक्षा केंद्रों में सीसीटीवी सर्विलांस, बायोमेट्रिक फिक्सिंग एवं बीओआईपी की व्यवस्था लागू की गई थी। परीक्षा केंद्रों पर परीक्षार्थियों की त्रि-स्तरीय जांच की गई। परीक्षा केन्द्रों के प्रवेश द्वार पर अनुमत एवं वर्जित वस्तुओं की जानकारी अनिवार्य रूप से चस्पा की गई थी। निरीक्षण के दौरान डिप्टी कलेक्टर एवं परीक्षा प्रभारी श्रीमती देवंती परते, डिप्टी कलेक्टर सुश्री शानू चैधरी, एसडीएम मणिन्द्र सिंह सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

1824 में से 1414 परीक्षार्थी हुए शामिल

रविवार को सम्पन्न हुई राज्य सेवा एवं राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा के लिए जिला मुख्यालय नरसिंहपुर में बनाए गए 4 परीक्षा केन्द्रों में प्रथम चरण में 1824 परीक्षार्थियों में से 1414 परीक्षार्थी उपस्थित रहे और 410 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। परीक्षा केन्द्र शासकीय श्याम सुंदर नारायण मुशरान कन्या महाविद्यालय नरसिंहपुर में 450 परीक्षार्थियों में से 345 परीक्षार्थी उपस्थित रहे और 105 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इसी तरह शासकीय महारानी लक्ष्मी बाई कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला नरसिंहपुर में 500 परीक्षार्थियों में से 389 परीक्षार्थी उपस्थित व 111 परीक्षार्थी अनुपस्थित, शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नरसिंहपुर में 500 परीक्षार्थियों में से 373 परीक्षार्थी उपस्थित व 127 परीक्षार्थी अनुपस्थित और शासकीय पीजी कॉलेज नरसिंहपुर में 374 परीक्षार्थियों में से 307 परीक्षार्थी उपस्थित व 67 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे।

13 परीक्षार्थियों पहले पेपर में मानी हार

रविवार को सम्पन्न हुई राज्य सेवा एवं राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा के लिए जिला मुख्यालय नरसिंहपुर में बनाए गए 4 परीक्षा केन्द्रों में द्वितीय चरण में 1824 परीक्षार्थियों में से 1401 परीक्षार्थी उपस्थित रहे और 423 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। परीक्षा केन्द्र शासकीय श्याम सुंदर नारायण मुशरान कन्या महाविद्यालय नरसिंहपुर में 450 परीक्षार्थियों में से 346 परीक्षार्थी उपस्थित रहे और 104 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इसी तरह शासकीय महारानी लक्ष्मी बाई कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला नरसिंहपुर में 500 परीक्षार्थियों में से 383 परीक्षार्थी उपस्थित व 117 परीक्षार्थी अनुपस्थित, शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नरसिंहपुर में 500 परीक्षार्थियों में से 367 परीक्षार्थी उपस्थित व 133 परीक्षार्थी अनुपस्थित और शासकीय पीजी कॉलेज नरसिंहपुर में 374 परीक्षार्थियों में से 305 परीक्षार्थी उपस्थित व 69 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे।

पीताम्बरा पीठ में हुआ हवन पूजन भंडारा

तेंदूखेड़ा। पुण्य सलिला मां नर्मदा के पावन तट पर ककरा भटेरा में पीताम्बरा देवी का विशाल मंदिर निर्माण का कार्य जारी है।जयंती पर्व के दौरान यहां पर विराजमान महाराज जी के मार्गदर्शन में हवन पूजन भंडारा का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर पूजन अर्चन में भाग लिया तथा बडी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर भंडारा प्रसादी ग्रहण की।

सेवानिवृत्त प्राचार्य व समाजसेवी स्व. महेश पचैरी के निधन पर जताई शोक संवेदनाएं

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष एवं केंद्रीय राज्यमंत्री ने श्रद्धा सुमन किए अर्पित

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

गत दिवस भाजपा प्रदेशाध्यक्ष एवं बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल तथा केन्द्रीय राज्यमंत्री व बैतूल सांसद डीडी उइके ने रविवार की दोपहर में सेवानिवृत्त प्राचार्य एवं समाजसेवी स्व. महेश पचौरी के विकासनगर कालापाठा स्थित निवास पर पहुंचकर आध्यात्मिक व्यक्तित्व वाली उनकी धर्मपत्नी सेवानिवृत्त प्राचार्य श्रीमती शकुंतला पचैरी व बिटिया समाजसेवी तूलिका पचौरी, बेटे आशीष पचौरी सहित उनके परिजनों से मिलकर अपनी शोक संवेदनाएं जताई और परिजनों को इस दुःख को सहन करने की शक्ति देने हेतु ईश्वर से प्रार्थना की। गौरतलब है कि गत 24 अप्रैल को स्व. महेश पचैरी जी के निधन के पश्चात आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में नहीं पहुंच पाने के कारण आज भाजपा प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल और केंद्रीय राज्यमंत्री डीडी उईके उनके निवास पर पहुंचे और उन्होंने धर्मपत्नी श्रीमती शकुन्तला पचैरी तथा उनके परिजनों को ढांढस भी बंधाया। इस अवसर पर पूर्व नपाध्यक्ष एवं पार्षद आनंद प्रजापति, नागरिक बैंक के पूर्व अध्यक्ष अतीत पवार, स्व. महेश पचैरी के अनुज भ्राता वरिष्ठ पत्रकार व हरिभूमि नरसिंहपुर ब्यूरो चीफ संजय पचौरी, दामाद वरिष्ठ पत्रकार एवं हरिभूमि बैतूल जिला ब्यूरो चीफ संजय द्विवेदी, पंकज शुक्ला, रंजना शुक्ला, प्रशांत राजोरिया, एडवोकेट उत्कर्ष पचौरी आदि मौजूद थे।

विश्व पशु चिकित्सा दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

विश्व पशु चिकित्सा दिवस के अवसर पर जिले के समस्त पशु चिकित्सालयों, गौशालाओं और विशेष रूप से क्षीर धारा योजना के अंतर्गत आने वाले ग्रामों में कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस वर्ष यह दिवस पशु चिकित्सक भोजन और स्वास्थ्य के संरक्षक की थीम पर मनाया जा रहा है, जो मानव स्वास्थ्य और खाद्य सुरक्षा में पशु चिकित्सकों की अपरिहार्य भूमिका को रेखांकित करता है। कार्यक्रम में उपसंचालक डॉ. सुनील बृजपुरिया ने तकनीकी प्रगति पर जोर देते हुए कहा कि विभाग अब पूरी तरह डिजिटल पारदर्शिता की ओर बढ़ चुका है। उन्होंने बताया कि एक अप्रैल 2026 से लागू हुई ओटीपी आधारित कृत्रिम गर्भाधान (एआई) और टीकाकरण की नई व्यवस्था मील का पत्थर साबित हो रही है। एबीपीओ डॉ. एम.पी. तिवारी ने संगोष्ठी में ग्रीष्मकालीन बीमारियों के प्रबंधन और शासकीय योजनाओं की जानकारी साझा की। उन्होंने मैदानी अमले से कहा कि पशुपालकों के साथ सीधा संवाद स्थापित कर उन्हें जागरूक करें। पशु स्वास्थ्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी (एव्हीएफओ) बी.एल. प्रधान और हरिहर बुनकर ने फील्ड की चुनौतियों और सफलताओं के अनुभव साझा किए अधिकारियों ने गांव-गांव जाकर सेवा देने वाले कर्मचारियों की तत्परता की सराहना की। इस अवसर पर विभाग के सक्रिय सदस्य छाया मुड़िया, आरती मुड़िया, विकास महाजन, सौरभ उपाध्याय और प्रिंस मुड़िया सहित बड़ी संख्या में विभागीय कर्मचारी उपस्थित रहे।

विशेष जेल लोक अदालत का आयोजन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के आदेशानुसार जेल में निरुद्ध बंदियों हेतु केंद्रीय जेल नरसिंहपुर में विशेष जेल लोक अदालत का आयोजन किया गया। उक्त विशेष जेल लोक अदालत का शुभारंभ माननीय न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा, मुख्य न्यायाधिपति म.प्र.उच्च न्यायालय एवं मुख्य संरक्षक म.प्र.राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा वर्चुअल माध्यम से किया गया। उक्त शुभारंभ कार्यक्रम में उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति ग्वालियर के अध्यक्ष न्यायमूर्ति आनंद पाठक एवं अन्य न्यायमूर्तिगणों की विशेष उपस्थिति रही। प्रदेश स्तर पर वर्चुअल माध्यम से आयोजित शुभारंभ कार्यक्रम के पश्चात स्थानीय स्तर पर केन्द्रीय जेल नरसिंहपुर में माननीय प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अखिलेश शुक्ला द्वारा मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट राकेश सनोडिया, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दिनेश मीणा, जिला विधिक सहायता अधिकारी राजेश कुमार सक्सेना ईश्वर दयाल पटेल ट्रेनी न्यायाधीश एवं जेल अधीक्षक केंद्रीय जेल नरसिंहपुर अजमेर सिंह ठाकुर की उपस्थिति में द्वीप प्रज्जवलन कर शुभारंभ किया गया। उक्त विशेष जेल लोक अदालत हेतु दिव्यांश लोवंशी जेएमएफसी नरसिंहपुर एवं प्रकाश नेमा सामुदायिक मध्यस्थ अधिवक्ता की गठित खंडपीठ द्वारा जिले से रैफर्ड कुल 12 रैफर्ड प्रकरणों में से 2 प्रकरणों का पक्षकारों के राजीनामा के आधार पर निराकरण किया गया। विशेष जेल लोक अदालत में उप जेल अधीक्षक नरेंद्र व्यास, सहायक जेल अधीक्षक एवं अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने मुख्यमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम की तैयारियों ली बैठक

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का जिला मुख्यालय में आगामी 30 अप्रैल को नरसिंह प्रकटोत्सव कार्यक्रम सहित अन्य प्रस्तावित कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए, उनका आगमन प्रस्तावित है। जिले में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रस्तावित कार्यक्रमों के लिए कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने रविवार को नरसिंह मंदिर प्रांगण में तैयारियों के संबंध में बैठक ली। बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. यादव के प्रस्तावित कार्यक्रमों की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हेलीपैड स्थल, सुरक्षा, पार्किंग, साफ-सफाई, पेयजल, बिजली, यातायात व्यवस्था एवं अन्य आवश्यक व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम करने के निर्देश दिए। उन्होंने बैठक में मंचीय व्यवस्था, नागरिकों के लिए आवागमन एवं बैठक व्यवस्था, शोभायात्रा व कलश यात्रा की व्यवस्था, मिष्ठान का वितरण, महाआरती एवं पूजन व्यवस्था, मंदिर की सजावट, पुष्प-गुच्छ की व्यवस्था, साफ-सफाई, जल संरक्षण एवं तालाब का सौंदर्यीकरण करने के निर्देश दिए। बैठक में नगर पालिका अध्यक्ष नीरज दुबे, रामसनेही पाठक, सीईओ जिला पंचायत गजेन्द्र सिंह नागेश, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप भूरिया, महंत प्रीतमपुरी गोस्वामी, सुनील कोठारी, अभितेंद्र नारोलिया सहित अन्य जनप्रतिनिधि व नागरिक मौजूद थे।

मलेरिया की रोकथाम हेतु बताये तौर तरीके दिलाई शपथ

तेंदूखेड़ा विगत दिवस विश्व मलेरिया दिवस के अवसर पर मच्छरों की रोकथाम के तौर तरीके बताते हुए मलेरिया से बचाव की डॉक्टरों सभी नर्सों आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को शपथ दिलाई गई। विश्व मलेरिया दिवस पर चांवरपाठा में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने बताया कि स्वच्छता मच्छर जन्म परिस्थितियों को निर्मित नहीं होने देना चाहिए।मलेरिया की रोकथाम के लिए उपाय अति आवश्यक है। जहां तहां अत्यधिक पानी का भराव नहीं होने देना चाहिए। घरों में गर्मी के कारण चलने वाले कूलरों में भी अत्यधिक समय तक पानी जमा नहीं रहने देना चाहिए। समय समय पर साफ सफाई होनी चाहिए तथा घरों के आसपास जमा गंदे पानी की निकासी के लिए उचित व्यवस्था हेतु लोगों को प्रेरित करना चाहिए जिससे पानी का भराव अधिक समय तक ना रह सके और अपने घर के आसपास का वातावरण साफ स्वच्छ बना रहे।गंदगी ना फैले जितनी ज्यादा गंदगी रहेगी उतने ज्यादा मच्छर उत्पन्न होंगे। इस अवसर पर जेपी धुर्वे यशवंत शर्मा एच एस ठाकुर विनोद प्रजापति हेमंत सोनी एल पी तिवारी रविशंकर चौधरी टी आर गोलंदाज आशा सहयोगिनी सहित समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

जनगणना प्रशिक्षण अंतिम चरण में

तेंदूखेड़ा

इन दिनों भारत कि जनगणना 2027 के प्रथम चरण का कार्य 1 मई से 30 मई तक किया जाना है। तेंदूखेड़ा तहसील के अंतर्गत बनाये गए ब्लाक के प्रगणक पर्यवेक्षक का प्रशिक्षण 3 बेंचों मे संपन्न हुआ। प्रथम बेच 15 अप्रेल से 17 अप्रेल दूसरा बेच 19 अप्रेल से 21 अप्रेल ओर तीसरा बेच 23 से 25 अप्रेल तक चला।इस प्रशिक्षण मे नजरी नक्शा बनाने और 34 प्रश्नों के ऑनलाइन प्रपत्र को भरने कि बारीकियों को समझाया गया। कन्या विद्यालय परिसर में चले इस प्रशिक्षण मे प्रभारी तहसीलदार श्री इमरान मंसूरी ने समय समय पर अपना मार्गदर्शन दिया प्रशिक्षण मे प्रतिदिन चाय तथा दोपहर मे भोजन कि व्यवस्था कि गई थी। प्रशिक्षण में फील्ड ट्रेनर रजनीश जैन समीम कुरैशी प्रवेश पटेल और दशरथ पटेल ने लगातार सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक सभी को पीपीटी के माध्यम से प्रशिक्षण दिया।